समय: ३ घंटे **पूर्णांक: १००**

सूचना: १) सभी प्रश्न अनिवार्य है |
२) सभी प्रश्नों के लिए अंक समान है |
३) उत्तरपत्रिका में प्रश्न क्रमांक व उपक्रमांक अवश्य लिखे |

प्रश्न १. साहित्य के स्वरुप के साथ उसके तत्वों को विस्तार से रेखांकित कीजिए | **(२०)**

अथवा

साहित्य प्रयोजन के संदर्भ में भारतीय एवं पाश्चात्य विद्वानों की विवेचना कीजिए |

प्रश्न २. कला के स्वरुप की चर्चा करते हुए गुणों के आधार पर कला के व्याख्याओं की समीक्षा कीजिए | **(२०)**

अथवा

कला और साहित्य का किस तरह से संबंध है, विस्तार से विश्लेषित कीजिए |

प्रश्न ३. महाकाव्य को भारतीय एवं पाश्चात्य मान्यताओं के आधार पर स्पष्ट कीजिए | **(२०)**

अथवा

मुक्तक काव्य के स्वरुप की चर्चा करते हुए विशेषताओं पर प्रकाश डालिए |

प्रश्न ४. मात्रिक छन्द का अर्थ, परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके भेदों को समझाइए | **(२०)**

अथवा

वार्णिक छन्द का परिचय देकर हुए उसके भेदों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए |

प्रश्न ५. निम्नलिखित में से किन्ही दो विषय पर टिप्पणी लिखिए | **(२०)**

क) आधुनिक भारतीय विद्वानों के अनुसार काव्य के हेतु |
ख) उपयोगिता के आधार पर कला का वर्गीकरण |
ग) गीतिकाव्य का स्वरुप |
घ) वर्णिक छंद की परिभाषा |

******

XROYADMINYBF5829XROYADMINYBF5829XROYADMINYBF5829XROYADMINYBF5829